

study time

Page no. :- 01

Date : 18/8/2020

MON TUE WED THR FRI SAT SUN

Dr. Rajesh Verma, Assistant professor
and Head, U.C. Department of Zoology
D.K. College DUMHON (Buxow). Notes
for B.Sc part 3rd, Practical

प्रयोगशाला प्रक्रिया

Q:- जीव विज्ञान शिक्षण में सामुदायिक स्रोत क्या है ?

Ans:-

जीव विज्ञान शिक्षण में सामु-
-दायिक स्रोत :-

जीव विज्ञान शिक्षा को रुचिकर एवं उपयोगी बनाने हेतु जरूरी है कि उस शिक्षा को दैनिक जीवन से संबंधित किया जाये, तभी जीव विज्ञान का पाठ्यक्रम सर्वाप तथा अधूर्ण हो सकता है। जबकि आस-पास के वातावरण में उपलब्ध साधनों का प्रयोग कर शिक्षण में सीधे अनुभव प्राप्त किया जाये।

प्रामाणिक तथा बेसी के अनुसार सामुदायिक स्रोतों का जीव-विज्ञान शिक्षण में निम्न महत्व है -

(i) उच्च वेद मौखिक आधिगम की अद्वैत सामुदायिक साधनों का प्रयोग आधिगम के दृष्टिकोण में विविधता प्राप्त है।

study time

Page no. :- 02

- (ii) सामुदायिक स्त्रियों के कारण अमूर्त को धरार्थ व मूर्त रूप देना संभव है।
- (iii) सामुदायिक स्त्रियों से साधन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सकती है।
- (iv) सामुदायिक स्त्रियों से प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होते हैं। प्रत्यक्ष अनुभव के पर्याप्त अनुभव बढ़ाती है एवं इन अनुभवों को सिद्ध करने में सहायक होती है।
- (v) सामुदायिक स्त्रियों से विद्यालय व समुदाय के बीच अच्छे सम्बंध बनाये जा सकते हैं।
- (vi) सामुदायिक स्त्रियों के द्वारा विद्यालय के बाहर समस्या समाधान तथा लेष अपलोकन की शक्ति विकसित होती है।
- (vii) छात्र प्रत्यक्ष अनुभवों (Direct and Experiences) से कोई भी काम अच्छी सीखते हैं। क्योंकि इससे वो धुने, सुंघने, देखने तथा सुनेने सुनने संबंधी संपीकना देता है।

(viii) सामुदायिक स्रोतों द्वारा प्राप्त विज्ञान प्रयोगशाला के कृत्रिम षण से उठकर दैनिक जीवन के यथार्थ षण में आ जाता है।

(ix) सामुदायिक स्रोतों द्वारा समुदाय से सम्बन्धित वे सूचनयों जो सामान्यतः स्कूल में मौजूद नहीं हैं, प्राप्त की जा सकती हैं।

वास्तव में स्थानीय साधनों के उपयोग से छात्र अपने चारों ओर के माहौल से फायदा उठाते हैं। जिससे भावी जीवन में इसका आगे उपयोग होता है। ऐसे साधनों की सूची बनाना आसान नहीं है, क्योंकि दो अलग-अलग स्थानों में साधन सामान नहीं होते। फिर भी कुछ सामान्य रूप से उपलब्ध होने वाले स्थानीय साधनों के वैज्ञानिक महत्त्व का विवेचन करना उचित रहेगा -

(i) विद्यालय के निकट का तालाब :-
 इसका विज्ञान शिक्षण में कई प्रकार से लाभ उठाया जा सकता है। जैसे पौधों के अलग-अलग प्रकारों का अध्ययन, मौसम परिवर्तन का अनुभवों में अनुकूलन आदि का

अध्ययन किया जा सकता है।

(ii) संग्रहालय :- संग्रहालय का उपयोग किस विज्ञान शिक्षण में किया जाता है। इसमें विशेष रूप विज्ञान से संबंधित कदम का उपयोग किया जाता है।

(iii) एक खेत :- यहाँ छात्रों को मत्स्य अनुभव कराया जाता है कि विपरीत किस प्रकार होती है। पौधा बढ़ा कैसे होता है, पौधों पर आदिता व सूर्य के प्रकाश का क्या प्रभाव होता है। भूमि को को खेती के योग्य कैसे बनाया जा सकता है। सभी भूमि की जाँच कैसे की जाती है।

(iv) समुदाय के सदस्य :- अलग - अलग समुदाय से अलग - अलग कुशलता वाले लोग रहते हैं। अलग - अलग समुदाय के लोगों जैसे मधुअरि, विद्युतकर्मी, धातुकर्मी आदि को स्कूल में बुलाकर इनके अलग - अलग अनुभवों से छात्रों को

(v) विद्यालय के निकट वन :- पशुओं और पक्षियों की दिनचर्या का अध्ययन करने, मौसम बदलने के

कलस्वरूप उसका अलग - अलग प्रकार की पनस्पतियों का अध्ययन परिस्थिति आदि का अध्ययन इसके द्वारा संभव है।

(vi) नगर के अन्य उद्योग धंधे :- नगर के अलग - अलग उद्योग धंधों का सीधा अनुभव अलग - अलग प्रकार से बाधक रहता है। पशुओं को बनाने की अलग - अलग क्रियाएँ तथा कच्चे माल आदि का जान हानों को सामुदायिक स्त्रोतों के द्वारा कराया जाता है।

(vii) विद्यालय के निकट बन रहा भवन :- इसका अनेक तरह से अन्य उपयोग किया जा सकता है। जैसे इसके द्वारा विद्युत के तार कैसे लगाये जाते हैं, नालियों को किस प्रकार बनाया जाता है। ईट, सीमेंट तथा बगरी का उपयोग कर भवन का कैसे बनाया जाता है, पानी के नल को कैसे लगाया जाता है।

(viii) विद्यालय के पास की लकड़ी चीरने की कच्ची :- इसके द्वारा यह सीखा जा सकता है कि किस प्रकार की लकड़ी को काटने के लिए चुना जाता है। किस प्रकार की लकड़ी मंछी है व कौन सी लकड़ी का क्या उपयोग है। लकड़ी काटने की अलग - अलग मशीनें

Study time

Page no. :- 06

Date: 12/2/2020

MON TUE WED THR FRI SAT SUN

किस प्रकार कार्य करती हैं बाकि
इसी के अन्य स्थानीय साधनों
का उपयोग तभी लाभदायक हो
सकता है। जबकि उनका सही तरीके
से प्रयोग किया जा सके। उनसे
सम्बन्धित उद्देश्य निश्चित हो,
विभिन्न स्थलों के सन्दर्भ में
उनकी उपयोगिता स्पष्ट हो।

